B.Ed. Ist year

SUBJECT :- Teaching of Social Science

Topic :- शिक्षण में बहुमाध्यम (मल्टीमीडिया) विधि

एक तीसरे प्रकार की श्रव्य-दृश्य सामग्री के वितरण के लिए बहु-उद्देश्यीय साधन है। भारत वर्ष में इग्नू ही पहली संस्था है जिसके द्वारा वीडियो कैसेट तैयार किया गया और इसका प्रयोग शिक्षण-अधिगम के लिए किया गया। अध्ययन-केन्द्रों पर ही वीडियो रिकार्डर की सुविधा है, जिससे सम्पूर्ण देश में प्रसारण किया जाता है। सभी दूरवर्ती छात्रों द्वारा शिक्षण केन्द्रों या अध्ययन केन्द्रों पर पहुँचना सम्भव नहीं है। अतः इग्नू के द्वारा भी सीमित छात्रों तक यह सुविधा प्रदान की जा सकती है।

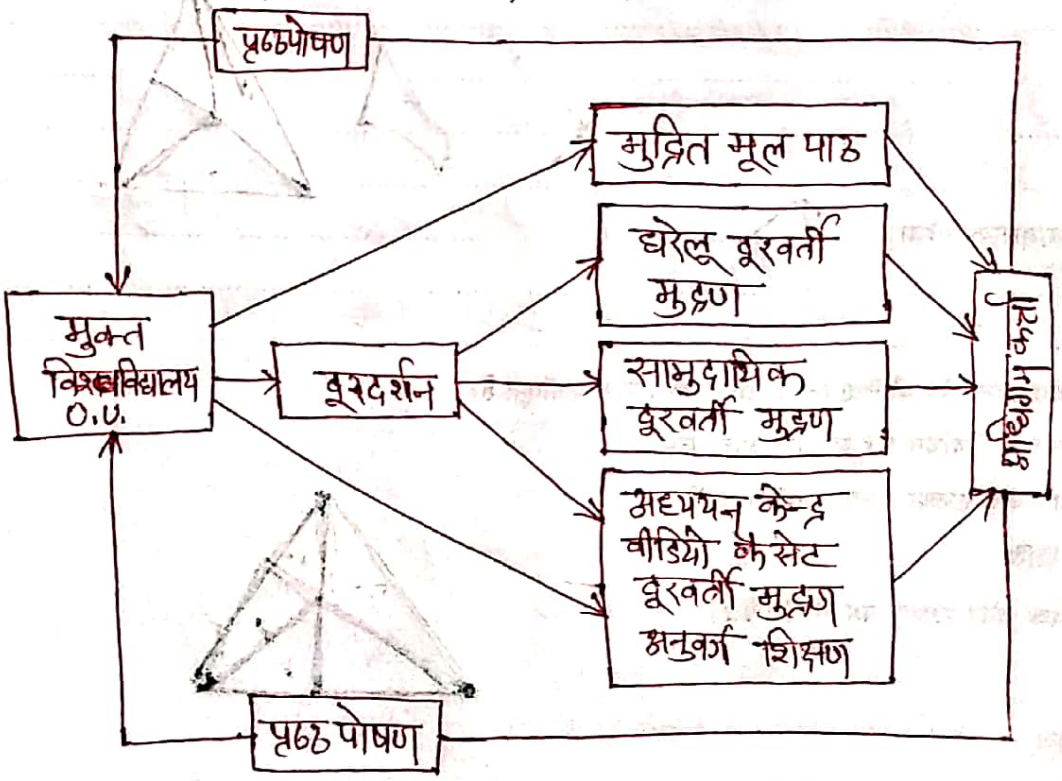

P.T.O.

Scanned with CamScanner

* शैक्षिक कार्यक्रमो का उत्पादन *

दूरदर्शन के कार्यक्रमो को तैयार करना एक जटिल प्रक्रिया है, और इसको एक समूह द्वारा तैयार किया जाता है। इससे पहले कि दूरदर्शन कार्यक्रमो के उत्पादन पर चर्चा हो यह जानना आवश्यक है कि कितने प्रकार के दूरदर्शन कार्यक्रम हैं जिनके द्वारा उत्पादन के निर्णय प्रभावित होते हैं।

* कार्यक्रम के प्रकार *

1. एकाकी वार्ता

इस प्रकार के कार्यक्रम मे केवल एक व्यक्ति को वक्ता के रूप मे प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार के प्रारूप का प्रयोग साधारणतः समाचार को प्रस्तुत करने एवं विशेष सूचना तथा शैक्षिक कार्यक्रमो के लिए किया जाता है।

2 वार्तालाप

यह दो व्यक्तियो के आपसी वार्तालाप का साधन है। इस प्रकार के प्रारूप का प्रयोग उस समय किया जाता है जिस समय किसी जनसाधारण सम्बन्धी समस्या या कोई शैक्षिक सूचना का प्रसारण करना हो।

3. साक्षात्कार

इस प्रकार का प्रारूप बहुत ही प्रभावशाली होता है। इसके द्वारा किसी उच्च एवं प्रतिभाशाली व्यक्तित्व का वैचारिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया जाता है। इसमे दो पक्ष होते हैं एक साक्षात्कार लेने वाला और एक साक्षात्कार देने वाला।

P.T.O.

Scanned with CamScanner

4 विशेषज्ञ समिति

इस प्रकार के प्रारूप मे विशेषज्ञ समिति अपने विषय मे उपलब्ध विरोधी प्रकरणो पर चर्चा करती है। इसमे विभिन्न दृष्टिकोणो वाले व्यक्तियो का चयन किया जाता है। इस प्रकार का प्रारूप अधिगमकर्त्ता के लिए विशेष रूप से आवश्यक होता है।

5 प्रश्नोत्तर

इस प्रकार के प्रारूप मे दो पक्षो की आवश्यकता होती है।
1 – प्रश्नकर्त्ता अपने कुछ सहायको के साथ
2 – इसमे भाग लेने वाले अभ्यार्थीगण

6 नाटक

यह प्रारूप दूरदर्शन एवं रेडियो पर प्रचलित है इस प्रकार के प्रारूप साधारण समस्याओ को प्रस्तुत करने मे और उनका समाधान करने मे सहायक होते है।

7 वास्तविकता

दूरवर्ती-छात्र को घटना की या शैक्षिक कार्यों की वास्त- जानकारी प्रदान कराना होता है। विद्यार्थी की धारणा-शक्ति को बढ़ाया जाता है। भावात्मक पक्ष का विकास और ध्यान को केन्द्रित किया जाता है।

8 भूमिका निर्वाह शिक्षण

इसमे एक एकीकृत कक्षा का निर्माण किया जाता है। शैक्षिक क्रियाओ को प्रतिपादित किया जाता है। यह बहुत ही आसान एवं आर्थिक रूप से मितव्ययी है, इसको तैयार करने के लिए अभ्यास की आवश्यकता होती है।

Thankyou

by
Mr. Praveen Raj
Asst Pro.
BRC. Deoband. (SRE)

Scanned with CamScanner